डॉ० अनुजा कुमारी
(इतिहास विभाग)
एस० एन० एस० आर० के० एस कॉलेज
सहरसा

Scanned By Scanner Go

दो वर्षों तक सफल रूप से शासन भार संभाला रहा और 46 वर्ष की उम्र में 1806 ई० में उसकी मृत्यु हो गयी। उसका प्रथम मंत्री मंडल 1784 ई० से लेकर 1801 ई० तक रहा। वैसे उसका प्रथम मंत्रीमंडल को इतिहासकारों ने दो भागों में बांटा है। अर्थशास्त्री पीट और सम्राज्यवादी पीट

(iv) अर्थशास्त्री पीट :→ छोटा पीठ अर्थशास्त्री का विद्वान था साथ ही वह एक कुशल और सफल अर्थ सचिव भी था सबसे बड़ी बात तो यह है कि स्वतंत्र व्यापार का समर्थक था। वैसे इगलैंड उस समय एक समृद्ध शक्तिशाली राष्ट्र था, लेकिन राष्ट्रीय अर्थ की स्थिति अच्छी नहीं थी। देश की अर्थ व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए उन्होनें बहुत से चीजों पर से कर को हटा दिया और उसकी पूर्ति की गयी। उनके इन सद्प्रयासों से वहाँ चीजें सस्ती हो गयी और चोर बाजारी और अत्याचार का बहुत हद तक अंत हो गया। इतना ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्ज को अदा करने के लिए फण्ड खोला गया जो सिंकिंग फण्ड के नाम से जाना जाता है। इस फण्ड में कुछ रूपया प्रतिवर्ष जमा किया जाता था। कर संबंधि अव्यवस्था को रोकने के लिए उन्होनें कान्सिलीनेटेड की स्थापना की गयी जिसमें कर से प्राप्त सभी प्रकार के आदमनी को जमा किया जाता था। उन्होनें 1786 ई० में व्यापारिक प्रगति के लिए फ्रांस के साथ एक संधि की और इस संधि के बाद दोनों देशों

Scanned By Scanner Go

में मधुर संबंध हो जाने के फलस्वरूप वाणिज्य व्यापार की शुरूआत हुई और दोनो देशों ने अपने आयात के मालों पर से कर को घटा दिया। पीठ ने आयरलैंड के साथ ठीक इसी प्रकार की एक संधि की थी इससे भी इंगलैंड को काफी लाभ होने की आशा थी। लेकिन ईर्ष्या एवं द्वेष के कारण आयरलैंड के साथ इंगलैंड का व्यापार विकास नही कर सका। जिससे कि पीठ को अपनी इस निति में सफलता मिली।

(v) साम्राज्यवादी पीट :→ भारत के समान पीट ने भी एक कनाडा एक्ट पास किया था जिसका एक मात्र उद्देश्य अंग्रेजो एवं फ्रांसीसियों के बीच धार्मिक भेद-भाव को दूर करना था इस अधिनियम के पारित होने से कनाडा दो भागों में विभक्त हो गया। एक भाग पूर्वी कनाडा तथा दुसरा भाग पश्चिमी कनाडा था पहले की परिस्थिति में इंगलैंड के कैदी को अमेरिका भेजा जाता था। लेकिन अमेरिका अब स्वतंत्र हो चुका था। ऐसी स्थिति में अब कैदी को अमेरिका भेजा संभव नहीं रहा। इसीलिए पीट महोदय ने अब कैदियों को आस्ट्रलिया भेजने लगा। अतः हम ऐसा कह सकते है कि पीट महोदय के समय में ही आस्ट्रलिया का बहुत सामने में विकास होने लगा अमेरिका की स्वतंत्र की लड़ाई के बाद इंगलैंड के लोगों की ~~भावना~~ बिल्कुल शांति चाहते थे और पीट इंगलैंड के लोगो की भावनाओं को अच्छी तरह से समझता था। अतः उन्होने बड़े पीट

Scanned By Scanner Go

की भाँति की तरह ही प्रारंभ में तो शांति की निति अपनायी और इस क्रम में उन्होंने 1786 ई० में फ्रांस के साथ एक व्यापारिक संधि की की। इस संधि के फलस्वरूप दोनों देशों की आर्थिक प्रगति हुई। इस संधि के फलस्वरूप दोनों देशों की आर्थिक प्रगति हुई। इस संधि के द्वारा इंगलैंड को युरोप में एक मित्र गया और 1789 ई० में स्पेन को इंग्लैंड के साथ एक सम्मौता करने के लिए विवश होना पड़ा।

इस प्रकार निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं कि पीट की निति के फलस्वरूप ही इंगलैंड की संसदीय व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया और इसके सभी अधिकारों की रक्षा की गयी। इतना ही नही बल्कि अंग्रेजों के स्तर को बहुत ऊँचा उठा दिया। उसने अर्थशास्त्र के सिद्धान्तों के अधार पर इंगलैंड की आर्थिक प्रगति को प्रोत्साहन देने की भी कोशिश भी थी। अतः हम कह सकते हैं कि उन्होंने अपने देश को संकट के समय बचा लिया और अपने राज्य की सीमा को बहुत दूर तक बढ़ा लिया। वह उच्च कोटि का राजनीतिज्ञ था अतः उसे वालपोल और ग्लैड स्पेन से अधिक महान कह सकते हैं।

Scanned By Scanner Go

—x—